सत्र-6

हमारा परिवार एवं लिंग भेदभाव

प्रस्तावना

परिवार समाज की सबसे छोटी इकाई है जो अत्याधिक महत्वपूर्ण है। हम सब किसी न किसी परिवार के सदस्य है। परिवार हमें सुरक्षा, लालन–पालन, समाज से जुड़ने और शिक्षा प्राप्त करने में सहयोग देता है। परिवार अपने सदस्यों की सामाजिक, भौतिक, धार्मिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक आवश्यकताओं की पूर्ति में भी पूरा सहयोग देता है। परिवार ने मानव को सांस्कृतिक विरासत व समृद्धि प्रदान की है। विवाहोपरान्त स्त्री व पुरूष और उनके बच्चे मिलकर परिवार की संरचना करते है और समाज की निरन्तरता को बनाए रखते हैं। यही कारण है कि परिवार सभ्यता के विकास के साथ प्रारम्भ से जुड़ा है। परिवार को प्रथम पाठशाला भी कहते है। परिवार में सम्मान करना, आपसी प्रेम, मित्रता, संवेदनशीलता आदि सीखने को मिलता है।

उद्देश्य

परिवार के विषय में जानकारी देना, परिवार की आवश्यकता क्यों होती है परिवार के महत्व को बताना। एकांकी व संयुक्त परिवार के बारे में बताना।

सामग्री

चार्ट पेपर, मार्कर, स्केच पेन, चॉक क्लिप, डोरी, परिवार का चित्र (एकांकी/ संयुक्त)

समयावधि: 3 घण्टे

गतिविधि- चर्चा परिचर्चा बड़े समूहो में/चर्चा/जोड़े बनाकर/चार्ट के माध्यम से अपने परिवार के सदस्यों पर चर्चा (क्या हम जानते है?)

प्रतिभागियों के जोड़े बनाकर उन्हें कहें कि वे एक दूसरे से निम्नवत् प्रश्न (जो चार्ट पेपर पर लिखकर ट्रेनर ने टांग रखे है) पूछें।

क्या हम जानते है?

आपकी माँ व पिता का नाम क्या है?
आपकी माता पिता का मनपसंद रंग क्या है?
आपकी माँ या पिता का मनपसंद भोजन क्या है?
आपकी माँ या पिता का जन्म कहाँ हुआ था ?
आपकी माँ और पिता कितना पढ़े लिखे हैं?
आपकी माँ और पिता जीवन यापन के लिए क्या काम करते है?
आपकी माँ की प्रिय सहेली व पिता का सबसे अच्छा दोस्त कौन है?

आपकी माँ व पिता की सबसे मूल्यवान वस्तु/सम्पत्ति क्या है?
आपकी माँ व पिता की आपके लिए क्या आकांक्षाएं है?
आपकी माँ व पिता को क्या अच्छा नहीं लगता है?

उक्त के क्रम में सुगमकर्ता जोड़े में पूछें तथा बड़े समूह में भी पूछने के साथ ही समझाएं कि आपसी सम्बन्धों को बेहतर बनाने के लिए माता–पिता और घर के अन्य सदस्यों को जानना बहुत आवश्यक होता है।

कौन से प्रश्नों का उत्तर देना सरल था? क्यों?
कौन से प्रश्नों का उत्तर देना कठिन था? क्यों?

प्रोजेक्ट वर्क

बच्चे घर जाकर अपने माता–पिता से बात करें। जिन प्रश्नों का उत्तर नही पता है उन सब प्रश्नों का उत्तर प्राप्त करें।

स्वयं की जानकारी के लिए देखें कि उन्हें माता–पिता के विषय में कितनी जानकारी थी।

हमें परिवार की आवश्यकता क्यों होती है?

परिवार वह स्थान है जिसे हम अपना समझते है और जहाँ हमें पूर्ण सुरक्षा प्राप्त होती है। जिस व्यक्ति का कोई परिवार नहीं होता उसे बहुत सी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है क्योंकि उसके दुःख–सुख को बांटने वाला कोई नहीं है। उसमे असुरक्षा की भावना आ जाती है। व्यक्ति का सम्पूर्ण विकास एक अच्छे परिवार में रहकर ही संभव है।

परिवार के प्रकार

परिवार मुख्य रूप सें दो प्रकार के होते है–

1. संयुक्त परिवार यानि बड़ा परिवार।
2. एकांकी परिवार यानि छोटा परिवार।

बड़ा (संयुक्त) परिवार

संयुक्त परिवार हम उस परिवार को कहते है जिसमें दो से अधिक पीढ़ियों के सदस्य साथ–साथ एक छत के नीचे रहते है। सभी सदस्यों का भोजन पकने का स्थान एक ही होता है। इसके सभी सदस्य परस्पर अधिकारों एवं दायित्वों से बंधे होते हैं और उसे निभाते हैं।

छोटा (एकांकी) परिवार

यह परिवार का सबसे छोटा रूप है। इसमें एक पुरूष, स्त्री तथा उसके अविवाहित बच्चे रहते हैं। इस तरह के परिवार आधुनिक समाज की देन है। हमारे आज के समाज में संयुक्त परिवार धीरे–धीरे टूट रहें है और एकांकी परिवार उसका स्थान ले रहें है।

छोटा (एकांकी) परिवार के लाभ

1. एकांकी परिवार में कोई विशेष पाबन्दी या रोकटोक नहीं होती अर्थात पति एवं पत्नी अपनी पसंद और इच्छानुसार अपना परिवार चलाते है।

2. सदस्य कम होने के कारण बच्चों पर अधिक ध्यान दिया जाता है और उनका पालन–पोषण माता–पिता अपनी मर्जी के अनुसार करते हैं।
3. परिवार का संपूर्ण भार माता–पिता पर होता है और इस कारण वे अपनी जरूरत के अनुसार खर्च कर सकते हैं।

बड़ा (संयुक्त) परिवार के लाभ

1. हर सदस्य एक ही मकान में मिल जुल कर रहते हैं।
2. पारिवारिक परम्पराओं द्वारा पारिवारिक संस्कृति की जानकारी होती है।
3. समस्त कार्यों का बंटवारा समय और उम्र देखकर हो जाता है। इस कारण एक व्यक्ति पर अधिक भार नहीं होता है।
4. त्योहार/शादी ब्याह आदि सब मिलकर हर्षोल्लास से मनाते हैं।
5. संकट के समय प्रत्येक सदस्य सहायता करता है और संकट की घड़ी कब कट जाती है पता ही नहीं चलता है।
6. बच्चों को आसानी से घर पर छोड़ सकते हैं क्योंकि घर के सदस्य उनकी देखभाल कर सकते हैं।
7. परिवार का हर सदस्य बच्चों एवं बुजुर्गों पर ध्यान देता है।

विषय को स्पष्ट करने के लिए सुगमकर्ता प्रतिभागियों को चार छोटे समूहों में बांटे, प्रत्येक समूह को कहें कि समूह के सदस्य आपस में चर्चा करें कि उनके परिवार में निम्नवत् सदस्यों के साथ उनके सम्बन्ध कैसे है और क्यों?

क) माता–पिता के साथ
ख) बुजुर्गों के साथ
ग) भाई–बहनों के साथ
घ) अन्य सदस्यों के साथ

उन्हें आपस में खुलकर बात करने के लिए प्रोत्साहित करें। यदि किसी के साथ सम्बन्ध में समस्या है तो समूह यह सोचे कि उसे कैसे दूर किया जा सकता है।

चारो समूह आपस में चर्चा कर प्रस्तुतीकरण करेंगे।

* समूह कार्य समाप्त होने पर सुगमकर्ता पूछे कि सभी समूहों में कौन से सम्बन्ध मधुर और मजबूत पाए गये और क्यों?

किन सम्बन्धों में तनाव था और क्यों– सम्भावित उत्तर	सम्बन्ध को सुधारने हेतु क्या सुझाव आये– सम्भावित उत्तर
माता पिता व घर के अन्य सदस्यों के आपसी तालमेल न होने के कारण	आपस में मिल बैठ कर बात चीत करके सम्बन्धों को संभालना
विचारों के न मिलने के कारण	आपसी बातचीत बन्द न की जाये
भावनात्मक लगाव न होने व संवेदनहीनता के कारण	समय समय पर एक दूसरे के दुख–सुख की जानकारी लेते रहना चाहिए

आओ चर्चा करें

परिवार हर किसी के लिए महत्वपूर्ण होता है। परिवार छोटा हो या बड़ा उसमें व्यक्ति को प्यार, दुलार, सुरक्षा, संरक्षण के साथ उसका पालन पोषण होता है। साथ ही परिवार में व्यक्ति के अन्दर सम्मान करना, आपसी प्रेम, मित्रता, संवेदनशीलता व नैतिकता जैसे गुणों को सीखता है। इससे परिवार के बड़े–बुर्जुगों का मान–सम्मान करना व परिवार में छोटे भाई–बहन, बच्चों के साथ प्यार व स्नेह के साथ रखना सिखाता है। इसके साथ स्वयं व परिवार के सुख–दुख एवं सुरक्षा की भावना का सम्पूर्ण विकास होता है। संवेदनशीलता व नैतिकतापूर्ण व्यवहार के कारण परिवार व समाज में भी व्यक्ति सम्मान पाता है।

सुगमकर्ता उक्तवत् बिंदुओं को बताते हुए स्पष्ट करे कि परिवार ही व्यक्ति की प्रथम पाठशाला है जहाँ उसके स्वस्थ व्यक्तित्व की नींव पड़ती है जिसका व्यक्ति के ऊपर जीवन पर्यन्त प्रभाव पड़ता है।

सुगमकर्ता निम्नवत् दृष्टान्तों के बारे में समझाते हुए बच्चों को स्पष्ट करे कि संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार की क्या विशेषतायें है

प्रथम दृश्यः

रीना अपनी सहेली अलका के घर होली मिलने गई है। रीना अपनी सहेली के परिवार के सदस्यों से परिचय कराती है। अलका यह हमारी दादी, दादा, ताऊ, ताई, चाचा, चाची, बुआ, मम्मी, पापा, चचेरी बहन, भाई है। ये हमारा परिवार है जिसमें हम एक साथ एक ही घर में रहते हैं। अलका रीना से पूछती है कि तुम्हारा परिवार तो बहुत बड़ा है। इस पर टीना कहती है कि मेरा संयुक्त परिवार है। अलका रीना को भी अपने घर आने के लिए कहती है

दूसरा दृश्यः

रीना अलका के घर आती है अलका उसे अपने मम्मी पापा और भाई से मिलवाती है बाकी परिवार के सदस्यों के बारे में पूछे जाने पर अलका बताती है कि हमारे परिवार में इतने ही लोग है क्योंकि हमारा परिवार एकल परिवार है।

समेकन

- किशोर/किशोरी परिवारजनों के साथ बेहतर ढंग से बातचीत कैसे कर सकते हैं।
- किशोर/किशोरियों को अपने माता–पिता के पास बैठकर उन्हें बताना चाहिए कि दिन में उन्होंने क्या क्या किया?
- माता–पिता से बात करने के लिए कोई उपयुक्त समय ढूढ़े जब उनसे शान्ति से बात हो सके।
- उन्हें यह महसूस कराईये कि आप उनसे बात करने की इच्छुक है और उनका दृष्टिकोण समझना चाहते हैं।
- अपने विचारों को सरल और शान्त तरीके से प्रस्तुत करें ताकि वे आपकी बात सुनकर उसका महत्व जान सकें।
- अपने किसी भाई या बहन का साथ ढूढ़ें और किस तरह माता–पिता से बातचीत करने में आवश्यकतानुसार वे आपको अथवा आप उनको सहयोग दे सकते है, के सम्बन्ध में विचार करें।

प्रोजेक्ट वर्क

सुगमकर्ता प्रतिभागियों से पूछे कि क्या वे उपरोक्त में से कोई एक विचार अपने परिवार में प्रयोग करके देखना चाहेंगे? तो कौन सा विचार? वह उसे कैसे प्रयोग में लाएंगे?

परिवार में किशोर–किशोरियों के अधिकारों व कर्तव्यों के कुछ उदाहरण

अधिकार

- सुरक्षा (आर्थिक, सामाजिक, शारीरिक)
- प्यार, इज्जत/सम्मान पाना
- शिक्षा, खाना, पीना, कपड़े पाना
- मार्गदर्शन पाना
- घर के संसाधनों का उपभोग करना
- सहयोग पाना
- अपने विचार व्यक्त करना एवं पारिवारिक रीति रिवाजों को अपनाना
- सामाजिक एवं धार्मिक उत्सवों में भाग लेना

कर्तव्य

- बड़ो को आदर सम्मान देना
- आज्ञा का पालन करना
- पढ़ाई करना
- घर के काम काज में हाथ बटाना
- परिवार के नियमों/मूल्यों को मानना
- भाई बहनों के साथ मिलजुलकर रहना एवं विचारों तथा ज्ञान का आदान प्रदान
- परिवार के निरक्षर सदस्यों को साक्षर बनाना
- पढ़ने वाले भाई–बहनों की पढ़ाई में मदद करना
- अपने विचार को बेवजह अन्य लोगों पर न थोपना अपने क्रोध व आवेगों पर नियंत्रण रखना
- बड़े लोगों की सेवा करना